


13/7/22

13/7/22

प्रावली पेडा दुर्ग। उभयपक्षकारान वकील मजु०।
 न्यायालय मजु० में वादीगण वकील व वादीगण
 को रज्ज 2 कर तीन बार आवाज लगायी गई।
 न तो वादी गण उप०। न ही वादीगण वकील
 उप०। प्रावली मजु० परी मजु० कापरी
 ने रशीज की पानी ही प०।  मजु०
 सुमार होकर वाकील वजु० हो। 